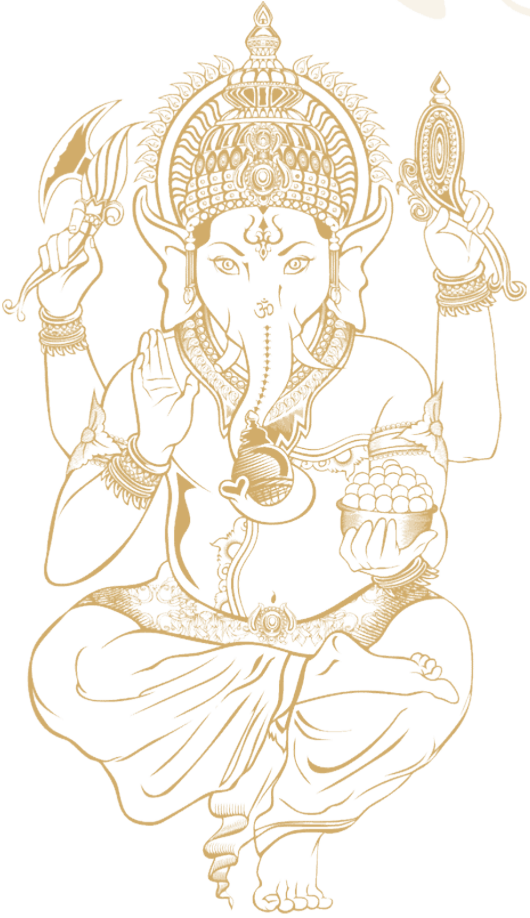

Abhishek Modi

22 Nov 1996

08:05 PM

Surat

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**22/11/1996**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**20:05:00 घंटे**
इष्ट	32:57:36 घटी
स्थान	**Surat**
राज्य	Gujarat
देश	India

अक्षांश	21:10:00 उत्तर
रेखांश	72:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:26:20 घंटे
वेलान्तर	00:13:50 घंटे
साम्पातिक काल	23:33:46 घंटे
सूर्योदय	06:53:57 घंटे
सूर्यास्त	17:55:49 घंटे
दिनमान	11:01:52 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	06:45:56 वृश्चिक
लग्न के अंश	09:01:16 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	व्यतिपात
करण	कौलव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चे-चेतन
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	09:01:16	328:11:19	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	---
सूर्य			वृश्चि	06:45:56	01:00:37	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	मित्र राशि
चंद्र			मेष	05:16:39	13:31:25	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	सम राशि
मंगल			सिंह	18:32:32	00:30:04	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
बुध			वृश्चि	18:21:14	01:31:19	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	सम राशि
गुरु			धनु	22:50:10	00:11:42	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	स्वराशि
शुक्र			तुला	05:37:18	01:13:59	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	मूलत्रिकोण
शनि	व		मीन	06:54:06	00:01:10	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कन्या	13:00:47	00:03:24	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	13:00:47	00:03:24	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	07:37:14	00:02:07	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
नेप			मक	01:45:55	00:01:29	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	09:05:11	00:02:23	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	29:02:23	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:49

लग्न-चलित

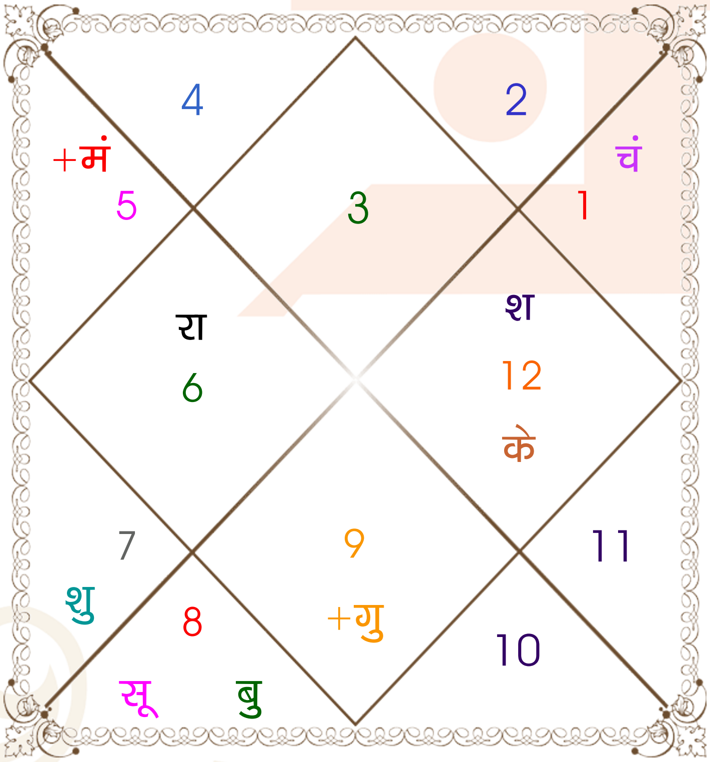

चन्द्र कुंडली

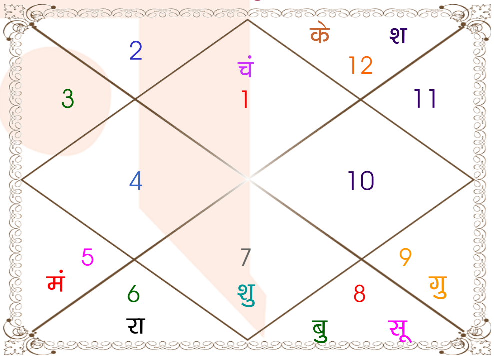

नवमांश कुंडली

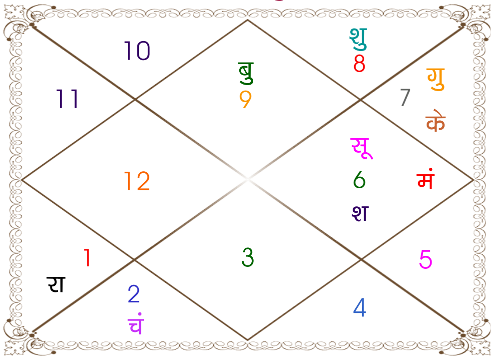

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 2 मास 22 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
22/11/1996		14/02/2001		14/02/2021		15/02/2027		14/02/2037	
14/02/2001		14/02/2021		15/02/2027		14/02/2037		15/02/2044	
	00/00/0000	शुक्र	16/06/2004	सूर्य	04/06/2021	चंद्र	16/12/2027	मंगल	13/07/2037
	00/00/0000	सूर्य	16/06/2005	चंद्र	03/12/2021	मंगल	16/07/2028	राहु	01/08/2038
	00/00/0000	चंद्र	15/02/2007	मंगल	10/04/2022	राहु	15/01/2030	गुरु	08/07/2039
	22/11/1996	मंगल	16/04/2008	राहु	05/03/2023	गुरु	17/05/2031	शनि	15/08/2040
मंगल	15/01/1997	राहु	16/04/2011	गुरु	22/12/2023	शनि	15/12/2032	बुध	13/08/2041
राहु	02/02/1998	गुरु	15/12/2013	शनि	03/12/2024	बुध	17/05/2034	केतु	09/01/2042
गुरु	09/01/1999	शनि	14/02/2017	बुध	10/10/2025	केतु	16/12/2034	शुक्र	11/03/2043
शनि	18/02/2000	बुध	16/12/2019	केतु	14/02/2026	शुक्र	15/08/2036	सूर्य	17/07/2043
बुध	14/02/2001	केतु	14/02/2021	शुक्र	15/02/2027	सूर्य	14/02/2037	चंद्र	15/02/2044

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
15/02/2044		14/02/2062		14/02/2078		14/02/2097		15/02/2114	
14/02/2062		14/02/2078		14/02/2097		15/02/2114		00/00/0000	
राहु	28/10/2046	गुरु	04/04/2064	शनि	17/02/2081	बुध	14/07/2099	केतु	15/07/2114
गुरु	23/03/2049	शनि	16/10/2066	बुध	28/10/2083	केतु	11/07/2100	शुक्र	14/09/2115
शनि	28/01/2052	बुध	21/01/2069	केतु	06/12/2084	शुक्र	12/05/2103	सूर्य	19/01/2116
बुध	16/08/2054	केतु	28/12/2069	शुक्र	06/02/2088	सूर्य	17/03/2104	चंद्र	20/08/2116
केतु	03/09/2055	शुक्र	28/08/2072	सूर्य	18/01/2089	चंद्र	17/08/2105	मंगल	23/11/2116
शुक्र	03/09/2058	सूर्य	16/06/2073	चंद्र	19/08/2090	मंगल	14/08/2106		00/00/0000
सूर्य	29/07/2059	चंद्र	16/10/2074	मंगल	28/09/2091	राहु	02/03/2109		00/00/0000
चंद्र	27/01/2061	मंगल	22/09/2075	राहु	04/08/2094	गुरु	08/06/2111		00/00/0000
मंगल	14/02/2062	राहु	14/02/2078	गुरु	14/02/2097	शनि	15/02/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 2 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करना होगा। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होता है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलते रहे तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगे। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगे।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहते हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाते हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकते हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेते हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेते हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहते हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करते हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही हैं। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेते हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करते हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करते हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहते हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देते हैं। निम्नांकित बिन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।